पूर्वोत्तर सीमा रेल
(निर्माण संगठन)

प्रेस विज्ञप्ति

मालीगांव: 4 फरवरी, 2019

पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 4 फरवरी, 2019 को श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण), पूर्वोत्तर सीमा रेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि. 1 एवं 2 मुख्य राजभाषा अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक का शुभारंभ श्री बी. एन. भास्कर, मुख्य इंजीनियर/नि.-1 एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी (नि.) ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए किया।

बैठक के आरंभ में त्रैमासिक संवाद-पत्र के 49वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक द्वारा उपस्थित अधिकारियों के साथ किया गया। इस अवसर पर रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा पुरस्कृत एक अधिकारी एवं एक कर्मचारी को महाप्रबंधक द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया। साथ ही, हिंदी में सराहनीय कार्य करने के लिए श्री बी. जी. साहा, वरिष्ठ लेखा अधिकारी को पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस बैठक का संचालन एवं तिमाही प्रगति संबंधी पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण श्री एस. जे. मंडल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने किया।

49वें त्रैमासिक "संवाद पत्र" का विमोचन करते हुए श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण)

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण) एवं अध्यक्ष क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार को व्यापक स्तर पर बढ़ाने के लिए हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर शत-प्रतिशत हिंदी में दें। हिंदी में मूल पत्राचार, टिप्पणी एवं डिक्टेशन के मदों में राजभाषा की नीतियों का गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित करवाएं। आपसी संवाद के दौरान अधिक से अधिक हिंदी का ही प्रयोग करें क्योंकि 80 प्रतिशत लोग हिंदी में बोलते हैं। उन्होंने धारा 3 (3) के अनुपालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। इसके अलावा उन्होंने राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें तीन विभागों द्वारा हिंदी में

नोटिंग, उपस्थिति रजिस्टरों पर हिंदी में नाम, पदनाम के अलावा कई तरह के पत्राचार थे। महाप्रबंधक (निर्माण) महोदय ने हिंदी में टेंपलेट, नोटिंग-ड्राफ्टिंग तथा इनोवेटिव आइडिया लाने का अनुरोध किया।

अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि सहज, सरल और बोलचाल की हिंदी ही हमारे कार्यालयों में अधिक लोकप्रिय होगी। वास्तव में, किसी भी सरकारी कार्यालय में यदि हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करना है तो सबसे पहले वहां के उच्च अधिकारियों को पहल करनी होगी। बैठक में महाप्रबंधक महोदय द्वारा राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए, जिस पर अमल करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

महाप्रबंधक (निर्माण) महोदय की अनुमति से श्री राजेश रंजन कुमार, राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने स्वरचित कविता नववर्ष-2019 का पाठ किया, जिसे महाप्रबंधक (निर्माण) ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की।

अंत में श्री राजेश रंजन कुमार, राजभाषा अधिकारी/निर्माण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद बैठक की कार्रवाई संपन्न हुई।

(एस. के. ओझा)

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी/निर्माण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन, माल्लीगांव